नेशनल शेडयूल्ड ट्राइब्स फाइनांस एंड डेवलपमेंट कारपोरेशन

(भारत सरकार का उपक्रम – जनजातीय कार्य मंत्रालय)

एन एस टी एफ डी सी

NSTFDC

''ई पत्रिका''

(01/01/2024-30/06/2024)

नेशनल शेडयूल्ड ट्राइब्स फाइनांस एंड डेवलपमेंट कारपोरेशन
(अनुसूचित जनजातियों के आर्थिक उत्थान हेतु एक शीर्ष संगठन)
एनबीसीसी टावर, 5वीं मंजिल, 15 भीकामी कामा प्लेस,नई दिल्ली-110066
टेलीफोन नं. 011-26712519, 26712587, 26177044, 26177046, 26180980
वेबसाइट: https://nstfdc.tribal.gov.in **ईमेल:**nstfdc@bol.net.in

एनएसटीएफडीसी का संक्षिप्त विवरण

संगठन: नेशनल शेडयूल्ड ट्राइब्स फाइनांस एण्ड डेवलपमेन्ट कारपोरेशन (एनसटीएफडीसी) केवल अनुसूचित जनजातियों के आर्थिक उत्थान हेतु बनाया गया शीर्ष संगठन है। निगम अनुसूचित जनजातियों की आय जनित गतिविधियों हेतु राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियों, कुछ क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों, राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम के माध्यम से रियायती ब्याज दरों पर वित्तीय सहायता प्रदान करते हुए उनकी आर्थिक उन्नति में अग्रणी भूमिका निभाता है।

पात्रता मानदंड: एनएसटीएफडीसी से रियायती वित्तीय सहायता प्राप्त करने के लिए पात्रता मानदंड निम्नलिखित हैं:-

व्यक्तिगत /स्व सहायता समूहों हेतु	**सहकारी संस्था(ओं) हेतु**
• सभी आवेदक/सदस्य अनुसूचित जनजाति वर्ग के होने चाहिए । • आवेदक की वार्षिक पारिवारिक आय ग्रामीण एवं शहरी दोनों क्षेत्रों के लिए 3 लाख रुपए से अधिक नहीं होनी चाहिए।	कम से कम 80% या ज्यादा सदस्य अनुसूचित जनजाति समुदाय के होने चाहिए एवं आवेदकों की वार्षिक पारिवारिक आय गरीबी रेखा आय सीमा से दुगुनी से अधिक नहीं होनी चाहिए । सदस्यता में परिवर्तन के मामले में वह सहकारी सोसाइटी यह सुनिश्चित करेगा कि एनएसटीएफडीसी की ऋण अवधि के दौरान अनुसूचित जनजाति सदस्यों का प्रतिशत 80% से कम नहीं है ।

योजना :

मियादी ऋण योजना	**आदिवासी महिला सशक्तिकरण योजना (आ.म.स.यो.)**	**स्व सहायता समूहों हेतु लघु ऋण योजना (लघु ऋण वित्त)**	**आदिवासी शिक्षा ऋण योजना (आ.शि.ऋ.यो.)**
50.00 लाख रुपए प्रति यूनिट तक की लागत वाली परियोजना के लिए 90% तक ऋण	2,00,000/- रुपए प्रति यूनिट तक की लागत वाली परियोजना के लिए 90% तक ऋण	प्रति स्व.स.समूह हेतु अधिकतम 5 लाख रुपए तथा प्रति सदस्य 50,000/- रुपए तक का ऋण	प्रत्येक अनुसूचित जनजाति की पात्र परिवार को 6% वार्षिक रियायती ब्याज दर पर 10.00 लाख रुपए तक का शिक्षा ऋण
ब्याज दर: 6 से 10% वार्षिक	ब्याज दर: 4% वार्षिक	ब्याज दर: 6% वार्षिक	ब्याज दर: 6% वार्षिक

एनएसटीएफडीसी योजनाओं के अंतर्गत यदि अनुसूचित जनजाति समुदाय से संबंधित कोई व्यक्ति ऋण लेने के इच्छुक हो तो संबंधितराज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियों/ उनके राज्यों/संघ शासित क्षेत्रों में स्थित क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों से मार्गदर्शन हेतु संपर्क कर सकते हैं । राज्य चैनेलाइजिंग एजेंसियों का संपर्क विवरण एनएसटीएफडीसी के वेबसाइट https://nstfdc.tribal.gov.in पर उपलब्ध है ।

एनएसटीएफडीसी की जनवरी से जून, 2024 तक की माहवार गतिविधियां/उपलबधियां

नेशनल शेडयूल्ड ट्राइब्स फाइनांस एंड डेवलपमेंट कारपोरेशन (एनएसटीएफडीसी), पात्र अनुसूचित जनजातियों को स्व-रोजगार उद्यम लगाने के लिए रियायती वित्तीय सहायता उपलब्ध करता है। एनएसटीएफडीसी संबंधित राज्य/ संघ शासित प्रदेशों द्वारा नामित सरकारी स्वामित्व वाले राज्य चैनलाइजिंग एजेंसियों (एससीए) एनसीडीसी, कुछ पीएसयू बैंकों, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और अन्य एजेंसियों के माध्यम से अपना फंड चैनेलाइज करता है।

(1) जनवरी, 2024 माह के दौरान कार्यानवित प्रमुख गतिविधियां:

I. निष्पादन:

वर्ष **2023-24** के लक्ष्यों और उपलब्धियों की स्थिति निम्नवत है (करोड़ रुपयों में)

क्रमांक	मद	वित्तीय वर्ष 2023-24		गत वर्ष इसी अवधि के दौरान निष्पादन
		वार्षिक लक्ष्य *	31.01.2024 तक की उपलब्धि	
i.	मंजूरी	**250.00**	**239.10**	**146.25**
ii.	संवितरण	**250.00**	**215.53**	**220.09**

* वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान अनुमानित निधि उपलब्धता के आधार पर मंजूरी और संवितरण का वार्षिक लक्ष्य तैयार किया गया है। यह कार्यान्वयन एजेंसियों के प्रस्तावों और वितरण के लिए उपलब्ध निधि के अनुसार भिन्न हो सकता है।

जनवरी, 2024 माह के दौरान निगम ने 44.15 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी और 37.53 करोड़ रुपए वितरित किए।

II. इस माह के दौरान कार्यान्वित की गईं प्रमुख गति विधियां:

(क) एनएसटीएफडीसी के अधिकारियों ने मुंबई (महाराष्ट्र) और सूरत (गुजरात) में सामाजिक न्याय और अधिकारिता पर संसदीय स्थायी समिति की बैठक में भाग लिया।

(ख) पीएम-जनमन योजना पर मेगा इवेंट की तैयारियों को देखने और कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने के लिए, एनएसटीएफडीसी के अधिकारियों को प्रतिनियुक्त किया गया और उन्होंने गजपति , रायगढ़ा (ओडिशा), चंद्रपुर, वर्धा, यवतमाल (महाराष्ट्र), मनेन्द्रगढ़, नारायणपुर, सरगुजा (छत्तीसगढ़), अशोकनगर, दतिया, डिंडोरी, श्योपुर, सीधी, विदिशा (मध्य प्रदेश), नंदयाल, प्रकासम , श्रीकाकुलम (आंध्र प्रदेश), पलामू (झारखंड) का दौरा किया । इन दौरों के दौरान, इन अधिकारियों ने दिनांक 15.01.2024 को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से माननीय प्रधान मंत्री की अध्यक्षता में आयोजित एक दिवसीय कार्यक्रम में भी भाग लिया ।

(ग) पीएम-जनमन योजना पर उक्त मेगा इवेंट के दौरान, एनएसटीएफडीसी ने अल्लूरी सीताराम राजू (आंध्र प्रदेश), जैशपुर (छत्तीसगढ़), वलसाड (गुजरात), गुमला (झारखंड), शिवपुरी (मध्य प्रदेश), नासिक (महाराष्ट्र), देबगढ़ और मयूरभंज (ओडिशा) बारां (राजस्थान), गोमती (त्रिपुरा) और बिजनौर (उत्तर प्रदेश) में भी स्टॉल लगाए और अपनी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रसारित की।

PM JANMAN

नेशनल शेड्यूल्ड ट्राइब्स फाइनांस एंड डेवलपमेंट कारपोरेशन
(भारत सरकार का उपक्रम – जनजातीय कार्य मंत्रालय)

प्रखंड - बिशुनपुर, जिला - गुमला

PM JANMAN

नेशनल शेड्यूल्ड ट्राइब्स फाइनांस एंड डेवलपमेंट कारपोरेशन
(भारत सरकार का उपक्रम – जनजातीय कार्य मंत्रालय)

प्रखंड - बिशुनपुर, जिला - गुमला

(घ) जनजातीय कार्य मंत्रालय के सहयोग से, एनएसटीएफडीसी ने देश भर के विभिन्न राज्यों से आमंत्रित विशेष जनजातीय अतिथियों के लिए कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस समारोह 2024 का आयोजन किया। इसके अलावा, निगम ने आरडीसी-2024 के लिए आमंत्रित जनजातीय राज्य अतिथियों को यात्रा की सुविधा भी प्रदान की।

(ङ) एनएसटीएफडीसी के अधिकारियों द्वारा नासिक और पुणे जिलों (महाराष्ट्र) में एनएसटीएफडीसी योजना के तहत सहायता प्राप्त इकाइयों का क्षेत्र निरीक्षण किया गया।

(च) अधिकारियों ने बैंक के पोर्टफोलियो से अनुसूचित जनजाति पुनर्वित्त मामलों की पहचान के लिए ओडिशा ग्राम्य बैंक (भुवनेश्वर) और त्रिपुरा ग्रामीण बैंक (अगरतला) का दौरा किया।

(छ) जनवरी, 2024 के महीने के लिए रिक्तियों की स्थिति के अद्यतनीकरण और एसीसी रिक्ति निगरानी प्रणाली में पोस्टिंग के संबंध में एनएसटीएफडीसी से संबंधित जानकारी शून्य है।

(ज) नीचे उल्लिखित बिंदुओं पर एनएसटीएफडीसी से संबंधित जनवरी,2024 महीने की जानकारी/डेटा निम्नानुसार दिया गया है:

क्र.सं.	**मुद्दे**	**एनएसटीएफडीसी से संबंधित जानकारी**
1.	माह के दौरान लिए गए महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय और प्रमुख उपलब्धियां।	शून्य
2.	लंबे समय तक अंतर-मंत्रालय परामर्श के कारण लंबित महत्वपूर्ण नीतिगत मामले	शून्य
3.	तीन माह से अधिक समय से अभियोजन स्वीकृति के लंबित मामलों की संख्या।	शून्य
4.	उन मामलों का विवरण जिनमें व्यापार नियमों के लेन-देन या सरकार द्वारा बनाई गई नीतियों के कारण विचलन हुआ है।	शून्य
5.	चल रहे स्वच्छता अभियान (विशेष अभियान के तहत प्रगति) की स्थिति ।	चल रहा है

6.	स्वायत्त निकायों की युक्तिकरण की स्थिति।	लागू नहीं
7.	शासन एवं विकास में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी आधारित उपकरणों और अनुप्रयोगों के उपयोग के लिए उठाए गए विशिष्ट कदमों की जानकारी।	लागू नहीं
8.	स्वायत्त निकायों/सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों सहित मंत्रालय/विभाग में वरिष्ठ स्तर की नियुक्तियों की रिक्ति स्थिति।	एनएसटीएफडीसी का प्रबंधन निदेशक मंडल द्वारा किया जाता है, जिसमें केंद्र सरकार में संयुक्त सचिव के स्तर के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक एवं केंद्र सरकार के प्रतिनिधि, राज्य चैनलाइजिंग एजेंसियां, नाबार्ड, आईडीबीआई, ट्राइफेड और अनुसूचित जनजातियों का प्रतिनिधित्व करने वाले तीन प्रतिष्ठित व्यक्ति शामिल हैं। दिनांक 31.01.2024 तक निदेशकों के रिक्त पद (सरकारी/गैर-कार्यात्मक/गैर-सरकारी) नीचे दिए गए हैं: एससीए के प्रतिनिधि: 1 अनुसूचित जनजाति के प्रतिनिधि (गैर-सरकारी) : 3
9.	उन मामलों की सूची जिनमें एसीसी के निर्देशों का पालन नहीं किया गया है।	शून्य
10.	माह के दौरान स्वीकृत एफडीआई प्रस्तावों का विवरण और मंत्रालय/विभाग में अनुमोदन की प्रतीक्षा में एफडीआई प्रस्तावों की स्थिति।	लागू नहीं

* * * *

(2) **फरवरी,2024 माह के दौरान कार्यानवित प्रमुख गतिविधियां**:

I. निष्पादन :

वर्ष **2023-24** के लक्ष्यों और उपलब्धियों की स्थिति निम्नवत है (करोड़ रुपयों में)

क्रमांक	मद	वित्तीय वर्ष **2023-24**		गत वर्ष इसी अवधि के दौरान निष्पादन
		वार्षिक लक्ष्य	**29.02.2024** तक की उपलब्धि	
i.	मंजूरी	**250.00**	**303.08**	**155.70**
ii.	संवितरण	**250.00**	**277.10**	**238.13**

* वित्तीय वर्ष 2023-24 के दौरान अनुमानित निधि उपलब्धता के आधार पर स्वीकृति और संवितरण के लिए वार्षिक लक्ष्य निर्धारित किया गया है। कार्यान्वयन एजेंसियों के प्रस्तावों और संवितरण के लिए उपलब्ध निधि के अनुसार इसमें बदलाव हो सकता है।

फरवरी, 2024 माह के दौरान, निगम ने 63.98 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी और 61.57 करोड़ रुपए वितरित किए गए ।

इस माह के दौरान कार्यान्वित की गईं प्रमुख गति विधियां:

(क) मेजर ध्यानचंद्र राष्ट्रीय स्टेडियम में आयोजित आदि महोत्सव के दौरान , एनएसटीएफडीसी के अधिकारियों ने आदिवासी कारीगरों के साथ जागरूकता शिविर-सह-परस्पर संवाद सत्र आयोजित किया। इस शिविर के दौरान, आजीविका गतिविधियों को शुरू करने के लिए निगम की उपलब्ध योजनाओं के बारे में विस्तृत प्रस्तुति दी गई।

(ख) नागालैंड औद्योगिक विकास निगम (एनआईडीसी) के अध्यक्ष ने नागालैंड सरकार के योजना एवं परिवहन विभाग के सचिव के साथ एनएसटीएफडीसी मुख्यालय का दौरा किया तथा एनएसटीएफडीसी के सीएमडी तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। उक्त बैठक के दौरान एनआईडीसी के अतिदेय के निपटान और नागालैंड राज्य में ऋण वितरण में तेजी लाने से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया ।

(ग) देश भर में एनएसटीएफडीसी के कामकाज और इसकी योजनाओं के कार्यान्वयन पर एक समीक्षा बैठक माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा जनजातीय कार्य राज्य मंत्री द्वारा ली गई।

(घ) एनएसटीएफडीसी के सीएमडी ने 22 फरवरी को राजभवन, मुंबई में महाराष्ट्र के माननीय राज्यपाल की अध्यक्षता में आयोजित समीक्षा बैठक में भाग लिया।

(ङ) लक्षित समूह तक पहुंच बढ़ाने के लिए एनएसटीएफडीसी ने यूको बैंक के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर किया है। इस समझौते पर हस्ताक्षर करने से यूको बैंक अनुसूचित जनजातियों के लाभ के लिए एनएसटीएफडीसी योजनाओं के तहत रियायती वित्तपोषण का लाभ उठा सकता है।

(च) एनएसटीएफडीसी ने कर्नाटक ग्रामीण बैंक के साथ सामान्य ऋण समझौते पर भी हस्ताक्षर किए हैं। अब, यह बैंक कर्नाटक राज्य के भीतर एनएसटीएफडीसी योजना के कार्यान्वयन के लिए एक चैनलाइजिंग एजेंसी के रूप में कार्य करेगा।

(छ) निगम ने दिनांक 21 से 24 फरवरी, 2024 तक मुलुगु जिले (तेलंगाना) के मेदाराम गांव में सम्मक्का सरलाम्मा जत्थारा में एक स्टॉल लगाया और अपनी योजनाओं के बारे में जानकारी प्रसारित की।

(ज) निगम के अधिकारियों ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्रालय (भारत सरकार) द्वारा विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित सार्वजनिक खरीद नीति पर सीपीएसई कॉन्क्लेव में भाग लिया। इस कॉन्क्लेव के दौरान, निगम को अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के स्वामित्व वाले सूक्ष्म और लघु उद्यमों से वस्तुओं और सेवाओं की खरीद के उच्चतम प्रतिशत के लिए "प्रशंसा प्रमाण पत्र" से सम्मानित किया गया।

(झ) निगम ने दिनांक 26 और 27 फरवरी, 2024 को इंडिया हैबिटेट सेंटर, लोधी रोड, नई दिल्ली में आयोजित राजभाषा महोत्सव में भाग लिया। महोत्सव के दौरान, एनएसटीएफडीसी के अधिकारियों ने अपनी योजनाओं के बारे में जानकारी का प्रसार किया ।

नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास) दिल्ली, (उपक्रम-2)
"दो दिवसीय राजभाषा उत्सव"
26-27 फरवरी, 2024
स्टाइन ऑडिटोरियम, आई एच सी, लोधी रोड, नई दिल्ली

https://nstfdc.tribal.gov.in
नराकास दिल्ली, उपक्रम 2 के तत्वावधान में
राजभाषा उत्सव एवं
प्रदर्शनी 2024
मियादी
योजना
आदिवासी
महिला
सशक्तिकरण
योजना
स्व-सहायता
समूहों हेतु
लघु ऋण
योजना

* * * *

(3) मार्च,2024 माह के दौरान कार्यानवित प्रमुख गतिविधियां:

I. निष्पादन:

वर्ष 2023-24 के लक्ष्यों और उपलब्धियों की स्थिति निम्नवत है (करोड़ रुपयों में)

क्रमांक	मद	वित्तीय वर्ष 2023-24		गत वर्ष इसी अवधि के दौरान निष्पादन
		वार्षिक लक्ष्य*	31.03.2024 तक की उपलब्धि	
i.	मंजूरी	**250.00**	**383.18**	**190.36**
ii.	संवितरण	**250.00**	**351.65**	**299.29**

मार्च, 2024 माह के दौरान, निगम ने 80.10 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी और 74.55 करोड़ रुपए वितरित किए गए ।

II. माह के दौरान कार्यानवित प्रमुख गतिविधियां:

(क) एनएसटीएफडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने अधिकारियों के साथ जनजातीय विकास के लिए संयुक्त राष्ट्र और अन्य अंतर्राष्ट्रीय संगठनों के साथ जुड़ाव पर एक दिवसीय विषयगत विचार-मंथन कार्यशाला में भाग लिया।

(ख) एनएसटीएफडीसी के अधिकारियों ने नासिक (महाराष्ट्र) में ट्राइफेड द्वारा आयोजित ऋण/आदिवासी कारीगर मेले में भाग लिया, जिसकी अध्यक्षता माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा जनजातीय कार्य राज्य मंत्री ने की। इस भागीदारी के दौरान, एनएसटीएफडीसी ने एनएसटीएफडीसी योजनाओं के तहत ऋण की मंजूरी प्राप्त करने वाले लाभार्थियों को चेक वितरण की सुविधा प्रदान की।

(ग) निगम ने वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के तहत स्वीकृत परियोजनाओं के निष्पादन के लिए कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ दो समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए।

(घ) निगम ने चाईबासा (झारखंड) में माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री तथा जनजातीय कार्य मंत्री द्वारा उद्घाटन किए गए तीन दिवसीय राष्ट्रीय डेयरी मेला और कृषि प्रदर्शनी में भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल (हरियाणा) द्वारा किया गया था।इसके अलावा, निगम ने सिमडेगा (झारखंड) में पूसा कृषि विज्ञान मेले में भी भाग लिया जिसका उद्घाटन माननीय केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री तथा जनजातीय कार्य मंत्री द्वारा किया गया ।

(ङ) निगम के अधिकारियों ने लोधी रोड, नई दिल्ली में आयोजित एक दिवसीय राजभाषा सम्मेलन में भाग लिया।

(च) माह के दौरान 97वीं बोर्ड बैठक और 15वीं सीएसआर समिति की बैठक आयोजित की गईं।

* * * * *

(4) अप्रैल, 2024 माह के दौरान कार्यानवित प्रमुख गतिविधियां:

I. निष्पादन:

वर्ष **2024-25** के लक्ष्यों और उपलब्धियों की स्थिति निम्नवत है **(करोड़ रुपयों में)**

क्रमांक	मद	वित्तीय वर्ष **2024-25**		गत वर्ष इसी अवधि के दौरान निष्पादन
		वार्षिक लक्ष्य*	30.04.2024 तक की उपलब्धि	
i.	मंजूरी	**350.00**	**3.09**	**5.93**
ii.	संवितरण	**350.00**	**21.09^**	**25.01**

* वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान अनुमानित निधि उपलब्धता के आधार पर मंजूरी और संवितरण का वार्षिक लक्ष्य तैयार किया गया है। यह कार्यान्वयन एजेंसियों के प्रस्तावों और वितरण के लिए उपलब्ध निधि के अनुसार भिन्न हो सकता है।

वर्ष के दौरान किए गए संवितरण में पिछले वित्तीय वर्षों के दौरान की गई स्वीकृतियाँ भी शामिल हैं। अप्रैल 2024 के महीने के दौरान की गई नई मंजूरी 3.09 करोड़ रुपए की है।

II. माह के दौरान कार्यानवित प्रमुख गतिविधियां:

(क) वर्ष 2024-25 के दौरान अनुमानित निधि उपलब्धता के आधार पर, एनएसटीएफडीसी ने उक्त वर्ष के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को 350.00 करोड़ रुपए का अनुमानित आवंटन निर्धारित किया है। तदनुसार, ऋण प्रस्तावों को अग्रेषित करने के अनुरोध के साथ संबंधित चैनलाइजिंग एजेंसी(यों) को आवंटन पत्र भेजे गए हैं।

(ख) एनएसटीएफडीसी के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में निगम की सभी राज्य चैनलाइजिंग एजेंसियों और अन्य कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ बैठकें आयोजित की गईं। उक्त बैठकों के दौरान, देश भर में ऋण स्वीकृति/वितरण में तेजी लाने और वित्तीय साक्षरता अभियान शुरू करने के संबंध में विस्तृत विचार-विमर्श किया गया।

(ग) एनएसटीएफडीसी के अधिकारियों ने अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा आयोजित एफआरए कार्यान्वयन पर राष्ट्रीय स्तर के परामर्श पर एक दिवसीय कार्यक्रम में भाग लिया।

(घ) अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आदिवासियों के बीच उद्यमिता पारिस्थितिकी तंत्र विकास के लिए अभियान पर आयोजित बैठक में भाग लिया।

* * * * *

(5) मई, 2024 माह के दौरान कार्यानवित प्रमुख गतिविधियां:

I. निष्पादन:

वर्ष **2024-25** के लक्ष्यों और उपलब्धियों की स्थिति निम्नवत है (करोड़ रुपयों में)

क्रमांक	**मद**	**वित्तीय वर्ष** 2024-25		**गत वर्ष इसी अवधि के दौरान निष्पादन**
		वार्षिक लक्ष्य*	**दि.** 31.05.2024 **तक की उपलब्धि**	
i.	**मंजूरी**	**350.00**	**3.09**	**9.93**
ii.	**संवितरण**	**350.00**	**21.43^**	**31.80**

* वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान अनुमानित निधि की उपलब्धता के आधार पर मंजूरी और संवितरण के लिए वार्षिक लक्ष्य तैयार किया गया है। यह कार्यान्वयन एजेंसियों के प्रस्तावों और वितरण के लिए उपलब्ध निधि के अनुसार भिन्न हो सकता है।

वर्ष के दौरान किए गए संवितरण में पिछले वित्तीय वर्षों के दौरान की गई स्वीकृतियाँ भी शामिल हैं। मई, 2024 के महीने के दौरान, निगम ने 34.12 लाख रुपए का संवितरण किया।

II. माह के दौरान कार्यानवित प्रमुख गतिविधियां:

(क) एनएसटीएफडीसी योजनाओं के अंतर्गत 10,000 ऋणों के कवरेज के माध्यम से उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए 100 दिनों के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में, अधिकारी राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों और साझेदार बैंकों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

(ख) जनजातीय कार्य मंत्रालय की वेंचर कैपिटल फंड योजना के अंतर्गत संभावित अनुसूचित जनजाति उद्यमियों की पहचान करने और जागरूकता पैदा करने के लिए, एनएसटीएफडीसी ने आईएफसीआई वेंचर कैपिटल फंड के समन्वय से पूर्वी क्षेत्र, उत्तरी क्षेत्र और मध्य क्षेत्र में अपनी कार्यान्वयन एजेंसियों के साथ एक वेबिनार आयोजित किया था।

* * * *

(6)_जून,2024 माह के दौरान कार्यानवित प्रमुख गतिविधियां:

I. निष्पादन:

वर्ष **2024-25** के लक्ष्यों और उपलब्धियों की स्थिति निम्नवत है (करोड़ रुपयों में)

क्रमांक	मद	वित्तीय वर्ष 2024-25		गत वर्ष इसी अवधि के दौरान निष्पादन
		वार्षिक लक्ष्य*	दि.31.12.2023 तक की उपलब्धि	
i.	**मंजूरी**	**350.00**	**6.71**	**22.45**
ii.	**संवितरण**	**350.00**	**25.44**	**37.96**

वित्तीय वर्ष 2024-25 के दौरान अनुमानित निधि की उपलब्धता के आधार पर मंजूरी और संवितरण का वार्षिक लक्ष्य तैयार किया गया है। यह कार्यान्वयन एजेंसियों के प्रस्तावों और वितरण के लिए उपलब्ध निधि के अनुसार इसमें बदलाव हो सकता है।

जून, 2024 के महीने के दौरान, निगम ने 3.62 करोड़ रुपए की परियोजनाओं को मंजूरी दी और 4.01 करोड़ रुपए वितरित किए गए । वर्ष के दौरान संवितरण में पिछले वर्षों के दौरान की गई स्वीकृतियां भी शामिल हैं ।

II. माह के दौरान कार्यानवित प्रमुख गतिविधियां:

(क) सिकल सेल रोग (एससीडी) के उन्मूलन के लिए गहन जागरूकता अभियान के संबंध में, जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशों के अनुसार एनएसटीएफडीसी ने अपने मुख्यालय और भोपाल, गुवाहाटी, हैदराबाद और भुवनेश्वर स्थित अपने आंचलिक कार्यालयों में अभियान चलाया। निगम की राज्य चैनलाइजिंग एजेंसियों से भी अनुरोध किया गया कि वे लाभार्थियों के बीच अभियान को जोरदार तरीके से चलाएं और इस तरह अनुसूचित जनजाति लाभार्थियों को इस बीमारी के बारे में जागरूक करें और उन्हें अपने आस-पास के अस्पतालों/सार्वजनिक स्वास्थ्य केंद्रों/उप केंद्रों या किसी अन्य केंद्र में स्क्रीनिंग टेस्ट कराने के लिए प्रेरित करे ।

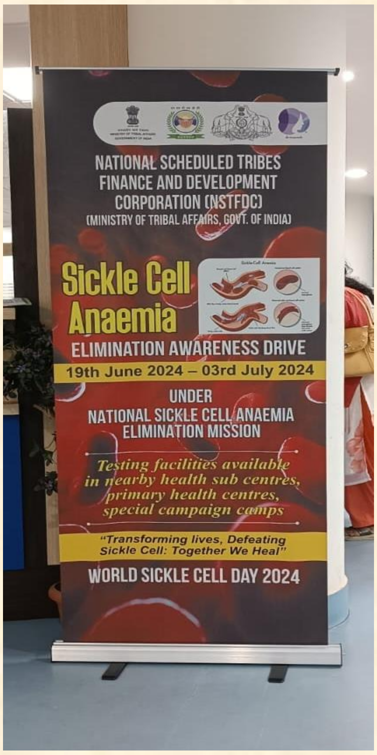

(ख) वित्तीय साक्षरता अभियान के एक हिस्से के रूप में, निगम ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के सहयोग से निम्नलिखित स्थानों पर वित्तीय साक्षरता शिविर आयोजित किए हैं:

- सौराष्ट्र ग्रामीण बैंक के माध्यम से रानागढ़ (गुजरात)।
- तेलंगाना ग्रामीण बैंक के माध्यम से रेगुलागुडा, सिरपुर खगजनगर और उटनूर आदिलाबाद (तेलंगाना)।

- ओडिशा ग्राम्य बैंक के माध्यम से ढकोथा और कांजीपानी (जिला क्योंझर, ओडिशा)।

(ग) एनएसटीएफडीसी के अधिकारियों ने ऋण प्रस्ताव प्रस्तुत करने के संबंध में छिंदवाड़ा (मध्य प्रदेश) स्थित सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया का दौरा किया।

(घ) एनएसटीएफडीसी के अधिकारियों ने नागपुर (महाराष्ट्र) के विदर्भ कोंकण ग्रामीण बैंक के अध्यक्ष से मुलाकात की और नागपुर क्षेत्र के साथ अपनी योजनाओं के कार्यान्वयन के लिए बैंक को एनएसटीएफडीसी की कार्यान्वयन एजेंसी के रूप में शामिल करने की संभावनाओं पर चर्चा की।

(ङ) अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उत्सव के एक हिस्से के रुप में, एनएसटीएफडीसी ने अपने कर्मचारियों के लिए एक आंतरिक योग सत्र का आयोजन किया। इस सत्र को एक बाहरी विशेषज्ञ/प्रशिक्षक द्वारा संचालित किया गया।

नेशनल शेड्यूल्ड ट्राइब्स फाइनांस एंड डेवलपमेंट कार्पोरेशन
tional Scheduled Tribes Finance And
Development Corporation
राष्ट्रीय योग दिवस
INTERNATIONAL YOGA DAY

21/06/2024 11:08

निगम की अन्य महत्वपूर्ण गतिविधियां

आंचलिक कार्यालय गुवाहाटी की नीवा बोरो ने 15 जनवरी 2024 को त्रिपुरा के गोमती जिले में प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महा अभियान (पीएम-जनमन) में भाग लिया और एनएसटीएफडीसी योजनाओं के बारे में जागरूकता पैदा करने के लिए एक स्टाल लगाया।

निगम में दिनांक 8 मार्च,2024 को 'अतंर्राष्ट्रीय महिला दिवस" मनाया गया । इस दौरान सभी महिला कर्मियों को पुष्पागुच्छ एवं चाकलेट देकर सम्मानित किया गया ।

दिनांक 10 अप्रैल,2024 को निगम का स्थापना दिवस मनाया गया । इस अवसर पर अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक महोदय ने सभी कार्मिकों को उत्साहवर्धन करते हुए अनेक-अनेक शुभकामनाएं दी।

दिनांक 4-5 मई,2024 को निगम के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक मंडल के सदस्यों एवं सभी कार्मिकों का एक दल ऋषिकेश (उत्तराखंड) भ्रमण के लिए गया । इस अवसर पर सभी ने विभिन्न गतिविधियों में भाग लेते हुए भ्रमण का आनंद लिया ।

श्रीमती कृष्णावेनी मोथा ,आंचलिक प्रबंधक,हैदराबाद द्वारा दिनांक 29.06.2024 को आदिलावाद, तेलंगाना में आयोजित वित्तीय साक्षरता अभियान आयोजित किया गया ।

श्रीमती कृष्णावेनी मोथा ,आंचलिक प्रबंधक,हैदराबाद द्वारा दिनांक 28.06.2024 को रागुलगुडा, तेलंगाना में आयोजित वित्तीय साक्षरता अभियान आयोजित किया गया ।

मध्यम वर्ग की पीड़ा-आय, कर और व्यय
छिपे हुए शहरी अभावों का एक दुष्चक्र

दिल्ली, बॉम्बे, बैंगलोर आदि जैसे महानगरों में रहने वाला मध्यम वर्ग समाज के एक महत्वपूर्ण हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है जो देश के आर्थिक विकास और आसपास के सामाजिक ताने-बाने को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। वे देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं जो माँग के माध्यम से उपभोग को बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं। वे आम तौर पर उपभोक्ता वस्तुओं, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और अवकाश गतिविधियों पर खर्च करने के बाद बहुत कम प्रयोज्य आय के साथ उच्च उपयोगिता की आकांक्षा के साथ जुड़े होते हैं।

वर्तमान स्थिति से पता चलता है कि भारत में मध्यम वर्ग अक्सर खुद को एक चुनौतीपूर्ण स्थिति में पाता है जब उनकी अर्जित आय, भुगतान किए जाने वाले कर और खर्च की बात आती है। यह पीड़ा अक्सर बहुआयामी छिपी हुई शहरी गरीबी के एक दुष्चक्र की ओर ले जाती है जिससे खराब बचत, उच्च ऋण और अर्जित आय की घटती उपयोगिता की मांग होती है। इस पीड़ा के विभिन्न मापदंडों का उल्लेख नीचे किया गया है:

1. कराधान का बोझ

मध्यम वर्ग भारत में कर (प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष) बोझ का एक महत्वपूर्ण हिस्सा वहन करता है। कर स्लैब और दरें या मुद्रास्फीति दरें, अक्सर आयकर के तहत या स्थिर आय के साथ बढ़ी हुई कीमतों के लिए किए गए व्यय के तहत उनकी आय से पर्याप्त कटौती का कारण बनती हैं।

2. जीवन की उच्च लागत

वे आम तौर पर आवास, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और दैनिक आवश्यक वस्तुओं के लिए बढ़ती लागतों का सामना करते हैं। ये खर्च अक्सर आय वृद्धि से आगे निकल जाते हैं, जिससे बचत या विवेकाधीन खर्च के लिए बहुत कम जगह बचती है। मुद्रास्फीति दरों में उतार-चढ़ाव क्रय शक्ति को और कम कर सकता है, जिससे मध्यम वर्ग के लिए अपने जीवन स्तर को बनाए रखना मुश्किल हो जाता है। एक समृद्ध जीवन शैली के मालिक होने की इच्छा अक्सर एक कीमत वहन करती है जो बाद में बहुआयामी शहरी गरीबी के अंतर को कम करती है।

3. सीमित कल्याण और लाभ हस्तांतरण

कर राजस्व में महत्वपूर्ण योगदान देने के बावजूद, मध्यम वर्ग को सार्वजनिक बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य सुविधाओं, शिक्षा की गुणवत्ता और अन्य आवश्यक सेवाओं के मामले में अपर्याप्त रिटर्न मिल सकता है। सब्सिडी और कल्याण योजनाएँ अक्सर प्रलेखित और उजागर गरीबी का स्वाद होती हैं, जबकि छिपी हुई गरीबी कभी भी मतदान का पैरामीटर नहीं रही है और इसलिए हमेशा आत्मनिर्भरता का मामला बनी रहती है, जिससे मध्यम वर्ग को अनदेखा और उपेक्षित महसूस होता है।

4. प्रशासनिक अक्षमताएँ

मध्यम वर्ग के लोगों में अक्सर यह अपेक्षा होती है कि उन्हें करों में योगदान के बदले में बेहतर सार्वजनिक सेवाएँ, बुनियादी ढाँचा विकास और शासन मिले। हालाँकि, वास्तविकता की जाँच में अक्सर भ्रष्टाचार, देरी और नौकरशाही की लालफीताशाही का सामना करना पड़ता है, जिसके बाद अकुशल सेवाएँ मिलती हैं, जिससे सार्वजनिक व्यय कम होता है और उनका मोहभंग और बढ़ता है।

5. आकांक्षाएँ बनाम वास्तविकताएँ

ऊपर की ओर बढ़ने, बच्चों के लिए बेहतर शैक्षिक अवसर और बेहतर जीवन स्थितियों की मध्यम वर्ग की आकांक्षाएँ अक्सर बाधाओं की आर्थिक वास्तविकताओं से टकराती हैं। ज़रूरत हमेशा इच्छा से ज़्यादा होती है और मध्यम वर्ग के पास अधूरे आंशिक सपनों के अलावा कुछ नहीं बचता।

6. बहुत बनाम कुछ का विरोधाभास

मध्यम वर्ग देश की आबादी का बहुमत बनाता है, हालाँकि बहुत बनाम कुछ का विरोधाभास अक्सर हमारे देश के वर्गों और सामाजिक संरचना में निहित होता है। विरोधाभास प्रतिनिधित्व और निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में प्रकट होता है जहाँ कुछ लोगों (जैसे कि निचले स्तर के गरीब या शीर्ष अभिजात वर्ग) के हितों या विचारों को आबादी में उनकी वास्तविक संख्यात्मक उपस्थिति की तुलना में अधिक प्रतिनिधित्व दिया जाता है। हालांकि, देश ने एक व्यापक सामाजिक-आर्थिक विकास की दिशा में कदम बढ़ाया है, जिसके लिए समावेशी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, लेकिन अगर मध्यम वर्ग विकास प्रक्रिया में खुद को उपेक्षित महसूस करता है, तो यह व्यापकता अधूरी रह जाती है। भारत में मध्यम वर्ग के लिए आय, कर और व्यय की इस पीड़ा को दूर करने के लिए व्यापक सुधारों की आवश्यकता है, जिसका उद्देश्य कर व्यवस्था को सरल बनाना, सार्वजनिक व्यय की दक्षता को बढ़ाना और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना है, जिससे समाज के सभी वर्गों को लाभ हो। नीति निर्माताओं

को ऐसे उपायों को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है जो वित्तीय बोझ को कम करें, पारदर्शिता को बढ़ावा दें और आवश्यक सेवाओं और ऊपर की ओर गतिशीलता के अवसरों तक समान पहुंच सुनिश्चित करें।

कार्यालय सहायक- गुमनाम नायक

कार्यालय सहायक, जिसे अक्सर संगठन की रीढ़ के रूप में जाना जाता है, उत्पादन के पहियों को सुचारू रूप से घुमाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। सहायक यह गारंटी देते हैं कि प्रशासनिक, संगठनात्मक और संचार क्षमताओं के माध्यम से कार्यालय के अंदर कई ज़िम्मेदारियाँ सुव्यवस्थित हैं।

सहायता के व्यावसायिक अभ्यास जैसे कि लिखित और मौखिक कौशल, समस्या समाधान कौशल, तकनीकी दक्षता, विवरणों पर ध्यान देने का कौशल और समय प्रबंधन कार्यालय के कार्यों के सुचारू संचालन और प्रशासनिक नियंत्रण के लिए कुछ प्रमुख तत्व हैं और एक कार्यकारी की सफलता को भी परिभाषित करते हैं। सहायक इन कौशलों को वास्तविक समय के आधार पर सौंपे गए कार्यों पर विचार करने और उन्हें निष्पादित करने में लगाता है और संगठन के लिए सूचित और रचनात्मक निर्णय लेने में उच्च अधिकारियों की सहायता करता है। उनकी भूमिका, संगठनात्मक संसाधनों के इष्टतम उपयोग के साथ परिभाषित दृष्टि और उद्देश्यों की ओर अग्रसर होने में अधिकारियों को सहयोग करती है।

कार्यालय सहायक का कार्य विवरण बुनियादी आवश्यकताओं से परे है और इसमें जिम्मेदारियों की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है जो एक कार्यालय सेटिंग के सामान्य संचालन और दक्षता का गठन करती है। कार्यालय सहायक की भूमिका को परिभाषित करने वाले कुछ प्रमुख पहलू नीचे दिए गए हैं:

- **प्रशासनिक सहायता**: कैलेंडर, नियुक्तियों और पत्राचार का प्रबंधन करके उच्च स्तर के कर्मचारियों को महत्वपूर्ण सहायता प्रदान करना।
- **दस्तावेज़ प्रबंधन**: सटीकता और पहुँच सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न दस्तावेज़ों, रिपोर्टों और अभिलेखों को संभालना। ऐसी जानकारी की आवश्यकता पड़ने पर अन्य टीम सदस्यों की सहायता करना ताकि कार्य प्रवाह सुचारु रुप से होता रहे ।
- **संचार**: आंतरिक और बाहरी संचार के लिए संपर्क बिंदु के रूप में, प्रभावी ढंग से जानकारी पहुँचाना।
- **स्वागत कर्तव्य**: आगंतुकों और ग्राहकों का स्वागत करना, उन्हें आवश्यक सहायता प्रदान करना और उन्हें उचित मार्गदर्शन देना।
- **डेटा प्रविष्टि**: आवश्यक एप्लिकेशन और टूल के माध्यम से डेटा प्रबंधन गतिविधियाँ करना।
- **समन्वय**: आधिकारिक बैठकों, कार्यक्रमों और यात्रा व्यवस्थाओं के लिए सुविधा प्रदान करना और सहायता करना।

हम उपरोक्त तथ्यों से यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि कार्यालय सहायक सकारात्मक और रचनात्मक कार्य वातावरण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यालय सहायक का कार्य आज के कार्यस्थल में संगठनात्मक सफलता की आधारशिला है। उनके कई योगदान प्रशासनिक जिम्मेदारियों के प्रबंधन से लेकर स्वस्थ कार्य वातावरण को बढ़ावा देने तक कार्यालय के सुचारू संचालन की गारंटी देते हैं। वे पर्दे के पीछे के गुमनाम नायक हैं, जो अपनी चपलता और अनुकूलनशीलता के कारण कंपनी के संचालन के आधार को बनाए रखते हैं। कार्यस्थल, प्रौद्योगिकी और प्रथाओं में निरंतर परिवर्तन के कारण कार्यालय सहायकों को अनुकूलनशील बने रहना और नई चुनौतियों का स्वागत करना आवश्यक हो जाता है। कार्यालय सहायक के रूप में नौकरी करने के लिए, किसी के पास उत्कृष्ट संगठन क्षमता, अच्छा संचार कौशल और समस्या समाधान करने का रवैया जैसे गुण होने चाहिए।

(वैभव कौशिक)
सहायक, एनएसटीएफडीसी

दोस्ती ......

एक ऐसा साथ...
जो किसी बंधन का नहीं मोहताज
हर दायरे से बाहर....
जाति,धर्म,देश, संस्कृति....
किसी बात से इसे नहीं सरोकार....
मुश्किलों में साथ....
गम में राहत....

बस अपनेपन के जज्बात....
खुशियां बिखेरती इसकी हर बात....
इसमें ही तो है क्षमता....
अनजान को भी जान बनाने की ....
सादा सा इसका नियम....
हंसी में साथ....
तो गम में भी बढ़ाए हाथ....

निश्छल प्रेम है....इसकी पहचान....
हर स्वार्थ से परे....
दोस्तों पर हर पल कुर्बान....

(यशवंत कायस्थ)
कनिष्ठ सहायक, एनएसटीएफडीसी